

One was accepted and sent for circulation to the various States. Five are under consideration. The States have got to be consulted in the matter, before we can take a decision. It is very likely to take some considerable period, about six months at least.

**Shri Bhakt Darshan:** The most important recommendation was the 5th one, about compulsory arbitration by the Central Government if there is any difference of opinion between two neighbouring States, and that has been held up because the Act has to be amended. May I know whether any effort is being made so that latest by the next Session an amending Bill will be before this House?

**Dr. K. L. Rao:** It is true that that recommendation is a very important one. It has been taken up with the States but so far the response has not been very good. We shall again approach the States and try to push it as quickly as possible.

**Shri Bhagwat Jha Azad:** In respect of all the recommendations it has been stated that they require an amendment of the Electricity Act with the consent of the State Governments. May I know whether the State Governments have conveyed their willingness to amend the Act or are they still hesitating to do it?

**Dr. K. L. Rao:** In most of the cases they have opposed.

**Shri Man Sinh P. Patel:** In view of the statement, may I know how many States have at least accepted for the moment the first three recommendations?

**Dr. K. L. Rao:** Practically no State has accepted them as such.

**Shri Ramachandra Ulaka:** May I know what steps are taken by the Government or are proposed to be taken to gear up the rural electrification schemes in the country during the Third Plan period, particularly in the State of Orissa?

**Mr. Speaker:** That is a different thing.

**Dr. K. L. Rao:** The Government has not accepted the idea of giving subsidy.

**Shrimati Savitri Nigam:** Against item 6 of the statement it has been stated that it is being considered by the Working Group. May I know when the working group is likely to submit its report so that action may be taken soon?

**Dr. K. L. Rao:** The Working Group on pricing policy has been holding meetings. I do not know when they will be concluding their work.

#### Trachoma

- +
- \*633. { **Shri Bibhuti Mishra:**  
**Shri P. C. Borooah:**  
**Shri Warrior:**  
**Shri Dinen Bhattacharya:**  
**Shri Vasudevan Nair:**  
**Shri Surendra Pal Singh:**

Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether a recent World Health Organisation study has revealed that about one-third of rural India's population is suffering from trachoma; and

(b) if so, the steps being taken to check the spread of the disease?

**The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar):** (a) The studies conducted by the Indian Council of Medical Research in collaboration with the World Health Organisation and UNICEF revealed that 119.45 million people out of 355.18 million living in rural areas of 15 States have got active trachoma or had signs of having had trachoma, 68.29 million are suffering and 51.16 million had had trachoma.

(b) A Trachoma Control Programme has been started on a mass scale in Punjab, Rajasthan and three districts of U.P. (Meerut, Muzaffarnagar & Saharanpur), where the endemicity of this disease is high. The programme has also been initiated in Gujarat, Bihar, Mysore, Madhya Pradesh and Jammu & Kashmir.

**श्री विभूति मिश्र :** ट्रैकोमा जिसको कि हुआ कहते हैं, क्या सरकार ने इस का पता लगाया है कि यह बीमारी होने का क्या कारण है ?

**डा० सुशीला नायर :** जी हां, श्रीमान्, एक प्रकार का वायरस होता है जिसके कि यह चैप की बीमारी होती है ।

**श्री विभूति मिश्र :** जहां जहां यह बीमारी है वहां पर ऐसी कौन सी सस्ती दवा दी जाय ताकि यह बीमारी अच्छी हो सके, इसके लिए क्या सरकार ने कोई सुझाव दिया है ?

**डा० सुशीला नायर :** जी हां, एक बहुत अच्छी दवा मिली है । एक मलहम होती है ऐंटीबायोटिक्स की . . . . .

**अध्यक्ष महोदय :** अब इस के लिए दवा क्या हैल्थ मिनिस्टर साहब फरमायेंगे ? अब इत्तिफाक से हमारे हैल्थ मिनिस्टर डाक्टर भी हैं इसलिए वह दवा भी बतलाने लग गये हालांकि उनको दवा बतलाने की कोई जरूरत नहीं है ।

**श्री विभूति मिश्र :** अब बीमारी की दवा यह नहीं बतलायेंगे तो लोग जानेंगे कैसे ?

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य के लिए हैल्थ कंट्रीब्यूटरी स्कीम है, वह वहां इस के बारे में पूछ सकते हैं ।

**श्री विभूति मिश्र :** मैं पूछ सकता हूं लेकिन आम जनता तो नहीं पूछ सकती है ।

**Shri Surendra Pal Singh:** We learn from the report of the WHO on the subject that the incidence of trachoma is the heaviest in Northern India and all southern States are practically free of this disease. May I know the reason for this phenomenon?

**Dr. Sushila Nayar:** The incidence of Trachoma is lower in Southern States. It is very difficult for me to say what the exact reason is. It is possible that dust storms may be a reason. The dust may be acting as an

irritant for eyes and may lead to a ready growth of virus.

**श्री यशपाल सिंह :** क्या मैं जान सकता हूं कि सरकार के ध्यान में यह बात है कि कोयले का धुआं इस सब का से बड़ा कारण है और इस लिए क्या सरकार कोयले के बजाये लकड़ी से भोजन बनाने को प्रोत्साहित करेगी ?

**अध्यक्ष महोदय :** श्री सरजू पाण्डेय ।

**श्री सरजू पाण्डेय :** मैं यह जानना चाहता हूं कि रोहे की बीमारी की जो जांच-पड़ताल की गई है, क्या उस से यह पता चलता है कि यह बीमारी खास तौर से किस वर्ग में पाई जाती है—ग्रामीरों में या शरीरों में ।

**डा० सुशीला नायर :** यह बीमारी कुछ ग्रामीर और शरीर की तमीज तो नहीं करती, लेकिन जहां सफाई, सैनिटेशन, वगैरह की तरफ कम ध्यान दिया जाता है, और जहां एक ही तौलिया सारी फ्रैमिली इस्तेमाल करती है, वहां पर एक का चैप दूसरे को ज्यादा आसानी से लग जाता है ।

**श्री ओंकार लाल बेरवा :** मैं यह जानना चाहता हूं कि जब यह इतनी भयंकर बीमारी है और उस की कोई दवाई नहीं मिली है, तो क्या इस को रोकने के लिए देसी दवाओं का भी परीक्षण किया गया है ।

**डा० सुशीला नायर :** देसी दवायें तो बहुत अरसे से इस्तेमाल हो रही थीं, लेकिन उन से रोक-थाम नहीं हुई । अब कुछ ऐसी नई दवायें हाथ में आई हैं, जिन से, आशा है, इस की रोक-थाम की जा सकेगी ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या मैं जान सकता हूं कि क्या सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप यह भी पता चला है कि गांवों में, रोहे की बीमारी पुरुष की अपेक्षा महिलाओं में अधिक है ?

**डा० सुशीला नायर :** ऐसी तो कोई खबर नहीं है कि यह बीमारी महिलाओं में अधिक है । लेकिन हिन्दुस्तान में बहुत से

देहात में महिलाओं में आंख का रोग जो ज्यादा देखने में आता है, वह चूल्हे के धुएँ के कारण होता है। जहाँ जहाँ स्मकोलैस चूल्हे चालू नहीं नहीं हुए, वहाँ धुएँ से आंखों को नुकसान होता है।

**Shrimati Savitri Nigam:** What are the broad features of the trachoma control programme? May I know whether any subsidy is being given to the States or districts where this programme has been taken up?

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, जहाँ पर हाईपर-एनडेमिसिटी है यानी जहाँ पर पचाम परसेंट से ज्यादा यह रोग है, ऐसी स्टेट्स और ऐसे हिस्सों में यह कार्यक्रम उठाया गया है। यह प्रोग्राम चार हिस्सों में तक्सीम किया जाता है। पहला तो प्रैपरेटरी फेज होता है और दूसरा एटैक फेज होता है। एटैक फेज में सब की आंखों में यह मल्हम लगाने की बात होती है और पहले हफ्ते में पांच दिन—बेहतर है, सबेरे शाम, या कम से कम रात के वक्त—यह मल्हम लगाया जाता है और इस तरह से एक महीना.....

**अध्यक्ष महोदय:** आप तो डाक्टर की सलाह देने लग गईं।

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, आप ने...

**Shri Kapur Singh:** Let us hear it. It is very interesting.

**Mr. Speaker:** No, no. Not here.

आप का यहाँ दिया हुआ नुस्खा सारी दुनियाँ में फैलेगा। शायद कई आप से एग्नी न करते हों। आप यह डाक्टरों की जिम्मेदारी रहने दीजिए।

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, यह तो एक्सपर्ट्स की एडवाइस है, जो कि मैं बता रही हूँ।

**Mr. Speaker:** Dr. Colaco.

**Shrimati Savitri Nigam:** Sir, my question has not been answered.

**Mr. Speaker:** Of course, it could not be answered. She would kindly resume her seat.

**Dr. Colaco:** May I know what concrete prophylactic measures have been taken to check this disease, which is widespread?

**Dr. Sushila Nayar:** To treat all the people in the family of the person who has been affected seems to be the only known way of preventing the spread of the disease.

**श्री स० मो० बनर्जी:** मैं यह जानना चाहता हूँ कि अगर काजल या सुरामा लगाया जाये, तो क्या यह बीमारी नहीं होती है।

**अध्यक्ष महोदय:** आप की क्या राय है ?

**श्री स० मो० बनर्जी:** मैं काजल नहीं लगाता हूँ।

**अध्यक्ष महोदय:** अगर आप की राय है कि उस से फायदा होता है, तो मैं मिनिस्टर साहब से रीकमेंड करूँगा कि वह इस पर गौर्य करें।

**ग्राम्य जल प्रदाय मण्डल**

\*६३४. **डा० लक्ष्मी मल्ल सिंघवी :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ग्राम्य जल प्रदाय मण्डल ने पश्चिमी भारत में जलाभाव और जल प्रदाय की समस्याओं के सम्बन्ध में अभी तक कोई अन्तिम अथवा अन्तरिम प्रतिवेदन दिया है ;

(ख) क्या पश्चिमी भारत की किसी राज्य सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई योजना प्रस्तुत की है तथा यदि हाँ, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) ग्राम्य जल प्रदाय से सम्बन्धित कौन कौन सी व्यवस्थाएँ अथवा माध्यम हैं तथा इनमें परस्पर समन्वय के लिये क्या क्यह उपाय किए गए हैं ?